.. shrii shabarigiriishaaShTakaM ..

॥ श्री शबरिगिरीशाष्टकम् ॥

यजन सुपूजित योगिवरार्चित यादुविनाशक योगतनो
यतिवर कल्पित यन्त्रकृतासन यक्षवरार्पित पुष्पतनो
यमनियमासन योगिहृदासन पाप निवारण कालतनो
जय जय हे शबरीगिरि मन्दिर सुन्दर पालय मामनिशं ॥ १

मकर महोत्सव मङ्गलदायक भूतगणावृत देवतनो
मधुरिपु मन्मथ मारकमानित दीक्षितमानस मान्यतनो
मदगज सेवित मञ्जुल नादक वाद्य सुघोषित मोदतनो
जय जय हे शबरीगिरि मन्दिर सुन्दर पालय मामनिशं ॥ २

जय जय हे शबरीगिरि नायक साधय चिन्तितमिष्टतनो
कलिवरदोत्तम कोमल कुन्तल कञ्जसुमावलिकान्त तनो
कलिवरसंस्थित कालभयार्दित भक्तजनावनतुष्टमते
जय जय हे शबरीगिरि मन्दिर सुन्दर पालय मामनिशं ॥ ३

निशिसुर पूजन मङ्गलवादन माल्यविभूषण मोदमते
सुरयुवतीकृत वन्दन नर्तन नन्दित मानस मञ्जुतनो
कलिमनुजाद्भुत कल्पित कोमल नाम सुकीर्तन मोदतनो
जय जय हे शबरीगिरि मन्दिर सुन्दर पालय मामनिशं ॥ ४

अपरिमिताद्भुत लील जगत्परिपाल निजालय चारुतनो
कलिजनपालन सङ्कटवारण पापजनावनलब्धतनो
प्रतिदिवसागत देववरार्चित साधुमुखागत कीर्तितनो
जय जय हे शबरीगिरि मन्दिर सुन्दर पालय मामनिशं ॥ ५

कलिमल कालन कञ्जविलोचन कुन्दसुमानन कान्ततनो
बहुजनमानस कामसुपूरण नामजपोत्तम मन्त्रतनो
निजगिरिदर्शन यातुजनार्पित पुत्रधनादिक धर्मतनो
जय जय हे शबरीगिरि मन्दिर सुन्दर पालय मामनिशं ॥ ६

शतमुखपालक शान्तिविदायक शत्रुविनाशक शुद्धतनो
तरुनिकरालय दीनकृपालय तापसमानस दीप्ततनो

हरिहरसंभव पद्मसमुद्भव वासव शम्बव सेव्यतनो
जय जय हे शबरीगिरि मन्दिर सुन्दर पालय मामनिशं ॥ ७

ममकुलदैवत मत्पितृपूजित माधव लालित मञ्जुमते
मुनिजनसंस्तुत मुक्तिविदायक शङ्कर पालित शान्तमते
जगदभयङ्कर जन्मफलप्रद चन्दनचर्चित चन्द्ररुचे
जय जय हे शबरीगिरि मन्दिर सुन्दर पालय मामनिशं ॥ ८

अमलमनन्त पदान्वित राम सुदीक्षित सत्कविपद्यमिदं
शिव शबरीगिरि मन्दिर संस्थित तोषदमिष्टदं आर्तिहरं
पठति शृणोति च भक्तियुतो यदि भाग्यसमृद्धिमथो लभते
जय जय हे शबरीगिरि मन्दिर सुन्दर पालय मामनिशं ॥ ९

इति श्री शबरीगिरिशाष्टकं संपूर्णं ॥

Encoded and proofread by Antaratma antaratma at Safe-mail.net

---

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com
Last updated April 17, 2007